Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 4, Petersburg 1865

75. Râga-Tar. 2, 159. 4, 361 (an den beiden letzten Stellen ist ohne Zweifel संनिपात्य zu lesen). पूर्वे चार्धपुरुषीये पञ्चमभागीयार्धपुरुषीययोः संनिपात्य Kâtj. Çr. 16, 8, 16.

— निस् *hinausfliegen, hinausstürzen, hervorstürzen, hinausgehen, herauskommen, hervorschiessen, herausfallen* Hariv. 2832. अरविवरेभ्य-श्चातकैर्निष्पतद्भिः Çâk. 166. Spr. 1234. स्त्रियः सर्वा निष्पेतुर्नगराद्बहिः Arg. 10, 62. MBh. 7, 807. 8, 2150. भवनान्निष्पतति 14, 1836. M. 8, 55. Jâgn. 2, 16. MBh. 1, 1343. Hariv. 4521. 5693. 13678. 13681 (med.). R. 1, 46, 21. 3, 16, 17. 31, 4. 4, 8, 48. 9, 64. 12, 24. 13, 40. 41. 14, 5. 6. 50, 13. 17. 5, 15, 10. Kâm. Nîtis. 12, 6. Daçak. in Benf. Chr. 188, 14. 198, 11. बधाय निष्पेतुरुदायुधास्ते MBh. 6, 3378. युद्धाय निष्पतेत् 15, 232. fg. निष्पत्य युधि युध्यस्व R. 6, 16, 80. उरगसंघाताः — निष्पेतुः MBh. 1, 8254. वृक्षान्निष्पतितान् Hariv. 3506. महीधरेभ्यो नागेन्द्रा निष्पेतुः 12819. रक्तौस्ययो निष्पतत्यन्तरीतात् MBh. 5, 1911. असंख्या मूर्तयस्तस्य निष्पतन्ति शरीरतः M. 12, 15. Hariv. 13680. R. Gorr. 1, 57, 18 (56, 18 Schl.). Kumâras. 3, 71. जिह्वा मुखान्निष्पतन्तीमुल्कां प्रज्वलितामिव R. 3, 49, 34. (ज्योतींषि) निष्पतन्ति पुनः सूर्यात् MBh. 5, 3816. निष्पतन्तो रथात् (बाणाः) 4, 2071. गाण्डीवात् — निष्पतन्ति महाबाणाः Arg. 7, 23. MBh. 7, 2709. Hariv. 5032. वाक्सायका वदनान्निष्पतन्ति MBh. 1, 3561 = 13, 4986. जलमुचः — जालैः (*durch die Fenster*) — निष्पतन्ति Megh. 70. समुद्रात् — निष्पतन्तीव भूमिः Ragh. 13, 18. पोतैः (*Schiffe*) पवनविनिर्दिर्निष्पतद्भिरिव (aus dem Meere) Hariv. 3530. माल्यवच्छिखरान्निष्पतन्ती (नदी) Bhâg. P. 5, 17, 7. निष्पतितमस्तिष्क Hariv. 4740. *wegfliegen, davoneilen* R̥V. 10, 24, 5. — Vgl. निष्पतन, निष्पतिष्णु. — caus. *ausfallen machen:* अक्षि AV. 1, 8, 3. *zu Schanden machen, zu Grunde richten:* इदं हि तव विस्तीर्णं धनधान्यसमाचितम्। हस्त्यश्वरथसंपूर्णं राज्यं निष्पातितं तया ॥ R. 2, 75, 15.

— अभिनिस् *ausfliegen zu:* इदं यत्कृष्णः शकुनिरभिनिष्पतन्नपीपतत् AV. 7, 64, 1. *hervorspringen, hinausschiessen* (intrans.): सेनाग्रादभिनिष्पत्य प्रायुध्यंस्तत्र मानवाः MBh. 6, 2434. रत्नभासो गवाक्षजालैरभिनिष्पतन्त्यः Bhaṭṭ. 1, 8.

— विनिस् *herausfliegen, hervorfliegen, herausspringen, hervorstürzen, hervorkommen, hervortreten, herausfallen:* तस्माद्वृक्षाद्विनिष्पेतुः क्षिप्रं तस्य कपिञ्जलाः MBh. 5, 269. वानर्यो विनिष्पेतुर्गुहामुखात् R. 4, 19, 4. 6, 94, 1. ततस्तूर्णं विनिष्पत्य — शाल्वमेवाभिदुद्राव 3, 699. Hariv. 6221. R. 6, 17, 25. Kâm. Nîtis. 12, 21. विनिष्पेतुर्भयकराः सर्वशः शतशो वकाः Hariv. 3506. विनिष्पतितपन्नग MBh. 9, 2703. गात्रात् — विनिष्पेतुर्बलाहकाः Hariv. 2683. पार्थस्य शरजालानि विनिष्पेतुः सहस्रशः MBh. 4, 2001. 9, 2690. सायकाश्चापमण्डलात्। विनिष्पेतुः R. 3, 31, 19. विनिष्पतितनेत्र 6, 76, 18. *sich aus dem Staube machen, davonlaufen:* शशवच्च (शरवच्च MBh. 12, 5272) विनिष्पतेत् M. 7, 106.

— परा 1) *wegfliehen, entfliehen:* परा हि मे विमन्यवः पतन्ति वस्यइष्टये R̥V. 1, 25, 4. AV. 6, 105, 1. पत्निणः परापातमासते Kâth. 34, 8. VS. 3, 49. 4, 34. भीतः परापतत् Bhâg. P. 3, 20, 24. अवंसृष्टा परा पत शरव्ये R̥V. 6, 75, 16. AV. 1, 3, 9. Çâṅkh. Gr̥hj. 1, 22. जलदाः परापतन् *zogen fort* Bhâg. P. 7, 8, 32. — 2) *entfallen:* तस्य रेतः परापतत् TBr. 1, 1, 3, 8. 5, 4. सोमस्यैकं हिंसितस्य परापतत् AV. 5, 28, 6. Çat. Br. 1, 5, 1, 20. 6, 2, 2, 6. Pâr. Gr̥hj. 2, 2. — caus. *verjagen:* परा शृङ्गाणि पातय AV. 1, 23, 2.

— अनुपरा *neben Jmd fliegen, — eilen:* इन्द्रो वायुमनुपरापतत् Ait. Br. 2, 25.

— परि 1) *herumfliegen, umfliegen, herumlaufen, in die Kreuz und in die Quere laufen, umlaufen* Çat. Br. 3, 4, 2, 10. Khând. Up. 2, 9, 5. ततः शनैः पर्यपतत्पतत्रैः शैलान्प्रकम्पयन् MBh. 1, 1391. 3, 12546. 5, 7240. परि दिवो अन्तान्पतन्ती R̥V. 10, 108, 5. उपर्युपरि सेना ते (गृध्राः u. s. w.) तदा पर्यपतन् MBh. 7, 204. गजा रथाश्वाः पुरुषाः संघशः परस्परघ्नाः परिपेतुराहवे 8, 707. 9, 1226. 16, 98. Hariv. 10594. R. 6, 19, 7. त्रस्ताः (कृपाः) परिपेतुर्दिशो दश MBh. 4, 1706. 6, 1823. 2870. 7, 844. परिपेतुः पतन्तं तं पुरुषाः परिचारकाः R. Gorr. 2, 84, 9. परिपेतुः कबन्धाङ्कां क्षितिम् 6, 94, 5. परिपतञ्झंकारझञ्झामरुत् viell. so v. a. *Wirbelwind* oder auch *ein hinabfahrender Wind* Amar. 48. — 2) *herunterspringen:* रथात् MBh. 7, 557. *sich stürzen auf:* ततः पर्यपतन्नुग्रा निवातकवचा मयि Arg. 8, 30. *fallen:* पर्यपतन्भूमौ जानुभिस्ते कृपोत्तमाः MBh. 3, 2791. (युवतिः) पतितोरसि (d. i. पतिता उ°) Gît. 7, 19. — Vgl. परिपतन. — caus. *niederfallen machen, herunterschiessen:* ध्वजं सायमनेश्चापि सो ऽष्टाभिः पर्यपातयत् MBh. 6, 2687. *abschiessen:* सप्त चैव पृषत्कांश्च अंसाश्च पर्यपातयत् 1852, *stürzen in:* ईदृशे व्यवहाराग्नौ मन्त्रिभिः परिपातिताः Mr̥kkh. 155, 8.

— विपरि *zurückfliegen:* सुपर्णो विपरिपत्य आहतः संहृत्य पत्नी Çat. Br. 14, 7, 1, 19.

— प्र 1) *ausfliegen, davonfliegen, hinfliegen, davoneilen, hineilen, hinabfliegen, hinabstürzen, hinabfallen, stürzen, fallen:* प्र यद्वयो न पप्तन्वस्मनस्परि R̥V. 2, 31, 1. 10, 27, 22. 95, 15. साकं यक्ष्म प्र पत 97, 13. 165, 5. AV. 6, 83, 3. 7, 115, 1. Çat. Br. 3, 2, 1, 9. 5, 5, 1, 2. Pañkav. Br. 14, 1, 12. तत्र ते पत्तिणो भूत्वा प्रपतन्ति यथादिशम् MBh. 5, 1753. प्रपेततुः स्पर्धया च ततस्तौ हंसवायसौ 8, 1911. हंसैः — प्रपतद्भिरितस्ततः Hariv. 8266. R. 4, 61, 33. सो ऽन्तरीक्षात्प्रपतितः केशत्रातःपुरे शिशुः Hariv. 9454. गिरिभिः पुरा वसुधां प्रपतद्भिरुत्पतद्भिश्च Varâh. Br̥h. S. 31, 3. Bhaṭṭ. 15, 53. वः प्रपततम् — संयुगे MBh. 7, 676. ता एता देवताः सृष्टा अस्मिन्महत्यर्णवे प्रापतन् Ait. Up. 2, 1. प्रभ्रंशितः सुरसिद्धर्षिलोकात्परिच्युतः प्रपताम्यल्पपुण्यः MBh. 1, 3577. प्रपतेद्यौः सनक्षत्रा 3, 16038 = 7, 475. शापात्प्रपतिता ये च गगनाद्वसुधातलम् R. 1, 44, 29 (45, 22 Gorr.). प्रपततुषार R̥t. 4, 1. प्रपेतुरुर्व्यां नृशिरांसि MBh. 8, 670. वज्रः प्रपतन्निव पर्वते 4, 1788. ततः शतसहस्राणि शराणाम् — युगपत्प्रापतंस्तत्र द्रोणस्य रथमन्तिकात् 1893. हस्तात् — चास्य प्रतोदः प्रापतद्भुवि Arg. 8, 15. ये प्रपेतुर्महीं तूर्णं शरीरात्स्वेदबिन्दवः R. 3, 76, 18. नेत्रेभ्यः प्रापतज्जलम् MBh. 2, 2184. मा प्रपत प्रपातम् 1, 3653. गर्ते मत्तः प्रपतते 2, 2159. तमस्यन्धे — प्रपतिष्यन्ति Bhâg. P. 5, 6, 12. 7, 9, 28. MBh. 5, 4513. Pañkat. 142, 6. प्रापतन्भुवि संभ्रान्ताः सलज्जाः R. Gorr. 1, 35, 21. (तम्) प्रपतन्तमपश्याम गिरेः शृङ्गमिव च्युतम् MBh. 6, 1978. 4350. Hariv. 13502. R. 1, 9, 15 (14 Gorr.). 3, 26, 24. Pañkat. 120, 11. Bhâg. P. 6, 14, 49. Saddh. P. 4, 16, *a.* उन्नतः प्रपतति Spr. 568. *fallen in* so v. a. *gerathen in:* दुर्जनवागुरासु प्रपतितः Spr. 754, v. l. — 2) *einer Sache* (abl.) *verlustig gehen:* प्रपतेयशसो दीप्तात् MBh. 14, 2737. — Vgl. प्रपतन, प्रपात. — caus. *davonfliegen machen* AV. 19, 50, 4. Çat. Br. 3, 3, 4, 15. *verfolgen, nachsetzen:* प्रपात्यमाना वित्रस्ताः शूलहस्तेन रक्षसा MBh. 1, 7632. प्रपात्यमानः श्येनेन कपोतः — नरेन्द्रं शरणं गतः 13, 2047. — desid. *davoneilen wollen:* प्रेवं पिपतिषति मनसा मुहुरा वर्तते पुनः AV. 12, 2, 52. — intens. *hervorschiessen:* अधं जिह्वा पापतीति प्र वृष्णो गोषुयुधो नाशनिः सृजाना R̥V. 6, 6, 5.

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007